

## हिंदी (पाठ्यक्रम 'ब')

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

- निर्देश : (i) इस प्रश्नपत्र के चार खण्ड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'।  
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।  
(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्नपत्र संख्या 4/1/1

खंड — 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

मनुष्य जीवन कर्म-प्रधान है। मनुष्य को निष्काम भाव से सफलता-असफलता की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का पालन करना है। आशा या निराशा के चक्र में फँसे बिना उसे निरंतर कर्तव्यरत रहना है।

किसी भी कर्तव्य की पूर्णता पर सफलता अथवा असफलता प्राप्त होती है। असफल व्यक्ति निराश हो जाता है, किंतु मनीषियों ने असफलता को भी सफलता की कुंजी कहा है। असफल व्यक्ति अनुभव की संपत्ति अर्जित करता है, जो उसके भावी जीवन का निर्माण करती है। जीवन में अनेक बार ऐसा होता है कि हम जिस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए परिश्रम करते हैं, वह पूरा नहीं होता है। ऐसे अवसर पर सारा परिश्रम व्यर्थ हो गया-सा लगता है, और हम निराश होकर चुपचाप बैठ जाते हैं। उद्देश्य की पूर्ति के लिए दुबारा प्रयत्न नहीं करते। ऐसे व्यक्ति का जीवन धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। निराशा का अंधकार न केवल उसकी कर्म-शक्ति, वरन् उसके समस्त जीवन को ही ढँक लेता है। निराशा की गहनता के कारण लोग कभी-कभी आत्महत्या तक कर बैठते हैं। मनुष्य जीवन धारण करके कर्म-पथ से कभी विचलित नहीं होना चाहिए। विघ्न-बाधाओं की, सफलता-असफलता की तथा हानि-लाभ की चिंता किए बिना कर्तव्य के मार्ग पर चलते रहने में जो आनंद एवं उत्साह है, उसमें ही जीवन की सार्थकता है।

(क) मनुष्य के कर्तव्य-पालन में कैसा भाव होना चाहिए?

- (i) सफलता का भाव      (ii) सकाम भाव  
(iii) निष्काम भाव      (iv) परिश्रम का भाव

- (ख) सफलता कब प्राप्त होती है?
- आशा-निराशा के चक्र में फँसे रहने पर
  - निरंतर कर्तव्यरत रहने पर
  - परिश्रम करने पर
  - कर्तव्य की पूर्णता पर
- (ग) मनुष्य के लिए असफलता भी सफलता की कुँजी बन जाती है, क्योंकि वह :
- निष्क्रिय हो जाता है।
  - अनुभव अर्जित करता है।
  - आशा-निराशा के चक्र में नहीं फँसता।
  - दुबारा प्रयत्न नहीं कर पाता।
- (घ) जीवन बोझ कब नहीं बनता?
- परिश्रम व्यर्थ हो जाने पर
  - असफल हो जाने पर
  - निराश हो जाने पर
  - उद्देश्य पूरा हो जाने पर
- (ङ.) जीवन की सार्थकता है :
- लक्ष्य से विचलित न होना
  - कर्तव्य मार्ग पर चलते रहना
  - हानि-लाभ की चिंता करना
  - सफलता के लिए दुबारा प्रयत्न करना

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

घड़े को जल से भर देने पर उसे मस्तक पर रखकर मीलों चले जाइए, एक बूँद पानी भी छलक कर बाहर नहीं गिरेगा। किंतु जिस घड़े में जल की मात्रा कम होगी, वह छलकता रहेगा, मानो वह पुकार-पुकार कर कह रहा हो कि उसमें जल है। अथाह जल का स्वामी समुद्र वर्षाकाल में सामान्य स्थितियों में मर्यादा लाँघकर बाढ़ का आंतक नहीं पैदा करता, किन्तु छोटी-छोटी नदियाँ अपने तटवर्ती क्षेत्रों को तहस-नहस कर डालती हैं। इसी तरह जिस

मनुष्य में वास्तविक विद्वत्ता होती है, वह अपने पांडित्य का ढिंढोरा नहीं पीटता, बल्कि सदा विनम्र एवं निरहंकार बना रहता है। कम पढ़-लिखा व्यक्ति ही बात-बात में मिथ्या पांडित्य-प्रदर्शन की चेष्टा करता है। जो वस्तुतः धनवान होता है, लोगों से यह नहीं कहता-फिरता कि वह धनवान है। उसका रहन-सहन, आचार-विचार सादगी से पूर्ण होता है लेकिन साधारण स्थिति का व्यक्ति सदैव यह दिखलाने का प्रयत्न करता है कि वह धनी और संपन्न व्यक्ति है। अभावग्रस्त लोगों को सदा यही कुंठा बेचैन बनाए रखती है कि वे अभावग्रस्त हैं, जिस पर विजय पाने के लिए वे मिथ्या-प्रदर्शन की आड़ लेते हैं। पूर्णता गंभीरता एवं विनम्रता को जन्म देती है, किंतु अपूर्णता चंचलता को। आज विश्व में या समाज में जो भी आपा-धापी, उत्तेजना तथा अशांति दिखाई पड़ती है उसका मूल कारण अधूरापन ही है। धन, विद्या, पद आदि की पूर्णता पर ही शांति-सुख निर्भर करते हैं।

(क) घड़े से एक बूँद भी पानी नहीं गिरता, क्योंकि

- (i) घड़े से पानी की मात्रा कम होती है।
- (ii) घड़ा मस्तक पर रखा होता है।
- (iii) आधे घड़े में जल भरा होता है।
- (iv) घड़ा जल से लबालब भरा होता है।

(ख) कम पढ़ा-लिखा व्यक्ति पांडित्य-प्रदर्शन करता है:

- (i) धनवान होने के कारण
- (ii) अज्ञान के कारण
- (iii) अहंकार के कारण
- (iv) प्रदर्शन-प्रियता के कारण

(ग) अभावग्रस्त लोग विजय पाने के लिए क्या करते हैं?

- (i) विनम्रता प्रदर्शन      (ii) समृद्धि प्रदर्शन
- (iii) मिथ्या प्रदर्शन      (iv) बेचैनी प्रदर्शन

(घ) चंचलता का कारण होता है:

- (i) अपूर्णता      (ii) विनम्रता
- (iii) सादगी      (iv) गंभीरता

(ङ.) समाज में व्याप्त अशांति का कारण है :

- (i) उत्तेजना      (ii) आपाधापी
- (iii) अधूरापन      (iv) अविद्या

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

1×5 = 5

देख आँखों में लहू उतर गया,  
पंख चैन के कोई कुतर गया  
धधक उठी आग अंग-अंग में  
खौल उठा विष उमंग-उमंग में  
चल पड़ा अमर, अमर पुकार पर।

वह जिधर चला, जवानियाँ चलीं,  
बाढ़ की विकल रवानियाँ चलीं,  
नाश की नई निशानियाँ चलीं,  
इंकलाब की कहानियाँ चलीं  
फूल के चरण चले अंगार पर।

दंभ का जहाँ-जहाँ पड़ाव था,  
सत्य से जहाँ-जहाँ दुराव था  
वह चला कि अग्निबाण मारता  
पाप की अटा-अटा उजाड़ता  
बज्र बन गिरा, गिरे विचार पर।

आज देश के उसी सपूत की,  
राष्ट्र के शहीद, अग्रदूत की  
शांति की मशाल जो लिए चला,  
क्रांति के कमाल जो किए चला,  
लौ जगा रहा दिया मज़ार पर।

(क) अमर की अमर पुकार का क्या प्रभाव पड़ा?

- |                             |                           |
|-----------------------------|---------------------------|
| (i) जातिवाद का ज़हर फैल गया | (ii) क्रांति की आग जल उठी |
| (iii) अमन-चैन जाता रहा      | (iv) खून खौल उठा          |

- (ख) 'पंख चैन के कोई कुतर गया' – का आशय है:
- अंग-अंग में आग लग गई
  - आँखों में खून दौड़ गया
  - बेचैनी छा गई
  - आगे बढ़ने की हड़बड़ी मच गई
- (ग) 'नाश की नई निशानियाँ' – का क्या भाव है?
- युवकों की भीड़ आगे बढ़ने लगी
  - लोगों में नया उत्साह जाग उठा
  - वीरता की भीड़ दिखाई पड़ने लगी
  - विनाशकारी क्रांति दिखाई पड़ी
- (घ) 'गिरे विचार पर' - का अर्थ है:
- पतित लोगों पर
  - तुच्छ विचार पर
  - गिरे हुए लोगों पर
  - गिरे हुए पेड़ों पर
- (ङ.) 'राष्ट्र के शहीद' से किसकी ओर संकेत हो सकता है?
- किसी बलिदानी की ओर
  - किसी स्वतंत्रता सेनानी की ओर
  - रणक्षेत्र में लड़ने वाले वीर की ओर
  - सीमा पर तैनात सैनिक की ओर
4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :
- 1×5 = 5
- सदियों से हम साथ जिए हैं, साथ मरे हैं  
चित्र, नृत्य, संगीत, काव्य के कोष भरे हैं  
हिंदी, उर्दू, बंगला, तमिल, तेलुगू, कन्नड़  
इंद्रधनुष के अलग-अलग रंगों समान हैं।

होली, ईद, बड़ा दिन, ओणम औ वैशाखी  
हमने मिलकर साथ मनाई - दुनिया साखी  
साथ मनाई मौज, साथ ही दुख झेले हैं -  
हम सब तरु की भिन्न डालियों के समान हैं।

आगे बढ़ता रहे राष्ट्र - यह ध्येय हमारा;  
धर्म, प्रांत, भाषा से बढ़कर भारत प्यारा;  
कृषक, श्रमिक, व्यापारी और सरकारी नौकर  
एक गगन के ग्रह-नक्षत्रों के समान हैं।

(क) काव्यांश में प्रतिपादित किया गया है:

- (i) भाषा-साहित्य में समानता का भाव
- (ii) परस्पर मेल-जोल का भाव
- (iii) अनेकता में एकता का भाव
- (iv) धार्मिक एकता का भाव

(ख) इंद्रधनुष के विविध रंग हैं:

- (i) भारत के विभिन्न रीति-रिवाज
- (ii) भारत की विविध भाषाएँ
- (iii) भारत की विभिन्न वेशभूषा
- (iv) भारत की अनेक ऋतुएँ

(ग) संसार साक्षी है:

- (i) हमारी मौज-मस्ती का
- (ii) हमारी आज़ादी का
- (iii) हमारे मेल-जोल का
- (iv) हमारे बल-पराक्रम का

(घ) कवि ने भारतवासियों को किसके समान माना है?

- (i) नदियों की जलधारा के समान
- (ii) इंद्रधनुष के समान
- (iii) भाँति-भाँति के वृक्षों के समान
- (iv) वृक्ष की अलग-अलग डालियों के समान

(ड.) हमारा ध्येय क्या है?

- (i) हमारे देश की ख्याति हो                      (ii) हमारी भाषा का प्रचार हो  
(iii) हमारा देश आगे बढ़ता रहे                      (iv) हमारी एकता बनी रहे

**खंड - ख**

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) 'परिश्रमी व्यक्ति सफल होते हैं' में रेखांकित पदबंध है:

- (क) संज्ञा पदबंध  
(ख) विशेषण पदबंध  
(ग) क्रियाविशेषण पदबंध  
(घ) सर्वनाम पदबंध

(ii) 'मानव ईश्वर की सुंदरतम और सर्वश्रेष्ठ रचना है' वाक्य में विशेषण पदबंध है:

- (क) मानव ईश्वर की  
(ख) सुंदरतम और सर्वश्रेष्ठ  
(ग) सुंदरतम और सर्वश्रेष्ठ रचना  
(घ) ईश्वर की सुंदरतम रचना

(iii) सर्प की मणि कीमती होती है - वाक्य में रेखांकित का पद - परिचय है:

- (क) संज्ञा, भाववाचक, पुल्लिङ्ग, बहुवचन  
(ख) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन  
(ग) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन  
(घ) संज्ञा, समूहवाचक, पुल्लिङ्ग, बहुवचन

(iv) वह रोज गीता पढ़ता है' वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है:

- (क) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तमपुरुष, बहुवचन  
(ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यपुरुष, एकवचन  
(ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, बहुवचन  
(घ) सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, एकवचन

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) 'वे सभी लोग, जो कल यहाँ आए थे, मेरे पड़ोसी हैं' - वाक्य रचना की दृष्टि से है :

- (क) संयुक्त वाक्य
- (ख) साधारण वाक्य
- (ग) मिश्र वाक्य
- (घ) सरल वाक्य

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है -

- (क) वे अध्यवसायी लोग हमारे देश के गौरव हैं।
- (ख) विद्या वह धन है, जिसका कभी क्षय नहीं होता।
- (ग) तुम वीर हो, अतः मैं तुम्हारा सम्मान करता हूँ।
- (घ) विद्यालय के प्रधानाचार्य ने यह घोषणा की।

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य हैं:

- (क) तुम मन लगाकर पढ़ते क्यों नहीं?
- (ख) मैं वहाँ गया और लिखने बैठ गया।
- (ग) हमने नव वर्ष पर विद्यालय को खूब सजाया।
- (घ) तुम वहाँ आ सकते हो जहाँ मैं रहता हूँ।

(iv) 'वह खाना खा रहा था। मैं पुस्तक पढ़ रहा था।' इन वाक्यों से बना मिश्र वाक्य है:

- (क) उसके खाना खाते समय मैं पुस्तक पढ़ रहा था।
- (ख) मैं पुस्तक पढ़ रहा था तो वह खाना खा रहा था।
- (ग) जब वह खाना खा रहा था, तब मैं पुस्तक पढ़ रहा था।
- (घ) वह खाना खा रहा था लेकिन मैं पुस्तक पढ़ रहा था।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) 'पर्यटन' का संधि विच्छेद है:

- (क) पर्य+टन      (ख) परि +आटन
- (ग) परी+अटन    (घ) परि+अटन



(ii) 'चरण+अरविंद' की संधि है:

(क) चरणविंदं (ख) चरणारविंद

(ग) चरणरविंद (घ) चरणारविंद

(iii) 'वाचनालय' समस्त पद का विग्रह है :

(क) वाचन में आलय (ख) वाचन को आलय

(ग) वाचन के लिए आलय (घ) वाचन का आलय

(iv) 'नील है जो कमल' का समस्त पद है:

(क) नीलाकमल (ख) नीलकमल

(ग) नीलम-सा-कमल (घ) कमलनील

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) 'रंगे हाथों पकड़े जाने पर वह .....।' उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:

(क) सफेद झूठ बोलना

(ख) आँखें लाल होना

(ग) पानी-पानी होना

(घ) पैरों पर खड़ा होना

(ii) 'चाचाजी ने कहा, 'मैं काशी-प्रयाग नहीं जाऊंगा, क्योंकि.....' उपयुक्त लोकोक्ति से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए:

(क) मन चंगा तो कठौती में गंगा

(ख) रस्सी जल गई ऐंठन न गई

(ग) दोनों हाथ लड्डू

(घ) नीम-हकीम खतरे जान

(iii) 'ईंट से ईंट बजाना' मुहावरे का अर्थ है:

(क) बदनाम करना (ख) परस्पर विरोधी बातें करना

(ग) नष्ट कर देना (घ) काम बना लेना

(iv) 'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का अर्थ है:

- (क) नीच की मित्रता काम नहीं आती      (ख) घोर अशिक्षित  
(ग) किसी झमेले में न पड़ना      (घ) हर ओर से लाभ

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

1×4 = 4

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:

- (क) एक गरम कप चाय ले आइए।  
(ख) एक चाय गरम कप में ले आइए।  
(ग) एक कप गरम चाय ले आइए।  
(घ) चाय का एक गरम कप ले आइए।

(ii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है:

- (क) उसके पिताजी को आने का है।  
(ख) उसके पिताजी आने वाले हैं।  
(ग) उसका पिताजी आने वाला है।  
(घ) उसका पिताजी को आने को बोलो।

(iii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है:

- (क) तुम्हारी जेब में कितने पैसे हैं?  
(ख) मेरे को थोड़ी सहायता चाहिए।  
(ग) वह अच्छे कर्म करता है।  
(घ) कवि सुंदर कविता सुनाता है।

(iv) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

- (क) क्या आप मेरे साथ चलेंगे?  
(ख) अभी नहीं आ सकता।  
(ग) तो मैं चलूँ।  
(घ) हाँ आप चलो।

## खंड - ग

10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,  
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।  
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,  
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।  
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,  
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) सुमृत्यु का क्या भाव है :

- |                           |                    |
|---------------------------|--------------------|
| (क) अच्छी मृत्यु          | (ख) निश्चित मृत्यु |
| (ग) याद करने योग्य मृत्यु | (घ) निरर्थक मृत्यु |

(ii) मर्त्य वह है:

- (क) जिसकी मृत्यु संभव है
- (ख) जिसकी मृत्यु निश्चित है
- (ग) जो मृत्यु से डरता है
- (घ) जो अच्छी मृत्यु मरता है

(iii) 'मरा नहीं वहीं' किसके लिए कहा गया है?

- (क) जो स्वयं के लिए जीवित रहता है
- (ख) जो दूसरों के हित के लिए जीवित रहता है
- (ग) जो दूसरों को कष्ट देने के लिए जीवित रहता है
- (घ) जो कभी मरता ही नहीं

(iv) पशु-प्रवृत्ति क्या है?

- (क) पशुओं जैसा स्वभाव
- (ख) पशुओं के समान जीवन

- (ग) पशुओं जैसा बल
- (घ) पशुओं का-सा आहार
- (v) मरना-जीना निरर्थक है उसके लिए,
  - (क) जिसको लोग याद न करें।
  - (ख) जिसकी समाज में निंदा हो।
  - (ग) जिसको शारीरिक कष्ट बना रहे।
  - (घ) जिसका पशु और आचरण हो।

अथवा

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर,  
 इस तरफ़ आने पाए न रावण कोई  
 तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे  
 छू न पाए सीता का दामन कोई  
 राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो  
 अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

- (i) ज़मीन पर खून की रेखा खींचने का तात्पर्य है:
  - (क) अपने खून से धरती को सींचना
  - (ख) हिंसा और मारकाट मचाना
  - (ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना
  - (घ) खून की नदी बहाना
- (ii) कविता में रावण किसका प्रतीक है?
  - (क) बुराइयों का (ख) राक्षसों का
  - (ग) गद्दारों का (घ) शत्रुओं का
- (iii) 'सीता का दामन' का आशय है:
  - (क) देश की आन-बान (ख) देश की शान
  - (ग) देश का सम्मान (घ) देश की सीमा

(iv) देशवासियों को राम लक्ष्मण कहा गया है, क्योंकि:

- (क) सब देश की रक्षा में लगे हैं                      (ख) सबको देश की रक्षा करनी है  
(ग) सब परस्पर भाई हैं                              (घ) सबके हाथों में देश सुरक्षित है

(v) 'साथियो' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

- (क) देशवासियों के लिए  
(ख) सैनिकों के लिए  
(ग) युद्धक्षेत्र में लड़ने वालों के लिए  
(घ) शत्रुओं के लिए

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए:

$2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 5$

- (क) ओचुमेलॉव की चारित्रिक विशेषताओं को अपने शब्दों में लिखिए।  
(ख) आदर्श और व्यावहारिकता में क्या अंतर है? शुद्ध आदर्श और व्यावहारिकता की तुलना लेखक ने सोने और तांबे से क्यों की है? 'गिन्नी का सोना' के आधार पर लिखिए।  
(ग) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।  
(घ) कर्नल, सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बिठाना चाहता था? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।

12. 'कानून-सम्मत तो यही है कि सब लोग अब बराबर है' का आशय स्पष्ट कीजिए।

5

**अथवा**

'गिरगिट' कहानी में पुलिस व जनता के संबंधों को किस प्रकार दिखाया गया है? स्पष्ट कीजिए।

5

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संसार की रचना भले ही कैसे हुई हो, लेकिन धरती किसी एक ही नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानवजाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर, एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े-बड़े दालानों-आँगनों में सब मिल-जुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बों जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा है।

- (क) धरती को किस-किसकी बताया गया है? 1
- (ख) हिस्सेदारी में दीवारें किसने खड़ी कर दी हैं और दीवारें खड़ी करने का क्या तात्पर्य है? 2
- (ग) पहले की और आज की जीवन प्रणाली में क्या-क्या अंतर दिखाई पड़ते हैं? 2

#### अथवा

अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादें में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था।

- (क) प्रायः हम किन बातों में उलझे रहते हैं? 1
- (ख) हमें किस काल में जीना चाहिए और क्यों? 2
- (ग) लेखक ने अनंतकाल जैसा विस्तृत किसे कहा है और क्यों? 2
14. (क) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' कविता में दीपक और प्रियतम किसके प्रतीक हैं? 1
- (ख) 'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए। 2
- (ग) 'मनुष्यता' कविता में किस व्यक्ति को उदार कहा गया है और उसका क्या प्रभाव बताया गया है? 2
15. 'सपनों के से दिन' कहानी के आधार पर लिखिए कि पी.टी. साहब की 'शाबाश' बच्चों को फौज़ के तमगों-सी क्यों लगती थीं? 3

#### अथवा

- इप्फन को 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्वपूर्ण पात्र कैसे माना जा सकता है? 3
16. 'सपनों के से दिन' पाठ में लेखक का मन पुरानी किताबों से क्यों उदास हो जाता है? 2

#### खंड - घ

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) परोपकार

- परोपकार का अर्थ, आवश्यकता
- लाभ और हानि
- परोपकारी प्रकृति, महापुरुषों से सीख

(ख) मेरा देश

- प्राकृतिक सौंदर्य
- सांस्कृतिक विविधता
- प्रगति की ओर कदम

(ग) वह सड़क दुर्घटना

- दुर्घटना कब, कहाँ
- दुर्घटना स्थल का दृश्य
- मैं क्या कर पाया

18. वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने के संबंध में अपनी तैयारी और प्रस्तुति का हवाला देते हुए मित्र को एक पत्र लिखिए।

5

**अथवा**

आपके पिताजी ने आपको एक हजार रुपये का मनीआर्डर भेजा है जो अभी तक आपको नहीं मिला है। डाक अधीक्षक को पत्र लिखकर इसकी शिकायत कीजिए।

5

**प्रश्नपत्र संख्या 4/1**

**खंड — 'क'**

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

फूल बोने का तात्पर्य सुख पहुँचाना तथा काँटे बोने का अर्थ दुख पहुँचाना है। मानव-जीवन को सार्थकता अपने आपको सुखी बनाने में ही नहीं है, बल्कि औरों को सुख पहुँचाने में है। तुलसीदास ने कहा है कि दूसरों की भलाई से बढ़कर धर्म नहीं तथा दूसरों के अपकार से बढ़कर नीचता नहीं। वह व्यक्ति परम धार्मिक है जो परोपकारी है। दूसरों को सुख पहुँचाने

के लिए ईश्वर को भी धरती पर अवतरित होना पड़ता है। जिन्होंने मनुष्य-जाति की भलाई के लिए अपना सुख तथा अपने प्राण बलिदान कर दिए, वे लोग मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय एवं वंदनीय बन गए। इसीलिए मनीषियों तथा संतों ने सदा परोपकार की दीक्षा दी। कबीर ने तो यहाँ तक कहा है कि जो तेरे लिए काँटे बोता है उसके लिए भी तू फूल बो। ऐसी स्थिति में हमें चाहिए कि हम प्राणियों के कष्ट-निवारण में तथा उन्हें सुखी बनाने में यथाशक्ति योगदान करें। यह भी ध्यान रखना है कि दूसरों के शोषण के लिए अथवा स्वार्थपूर्ति के लिए किया गया प्रत्येक अनैतिक कार्य वर्जित है।

(i) मानव-जीवन की सार्थकता है

- (क) अपने आपको सुखी बनाने में।
- (ख) भरपूर धन कमाने में।
- (ग) औरों को सहयोग देने में।
- (घ) औरों को सुख पहुँचाने में।

(ii) मानव-जाति के इतिहास में चिरस्मरणीय होते हैं

- (क) ईश्वर की अर्चना में लगे रहने वाले।
- (ख) देश की सीमा पर दुश्मनों से जूझने वाले।
- (ग) अपना सुख और प्राण बलिदान करने वाले।
- (घ) अपना धन लुटाने वाले।

(iii) सबसे बड़ी नीचता क्या है?

- (क) दूसरों की निंदा करना
- (ख) दूसरों का अपकार करना
- (ग) दूसरों के लिए काँटे बोना
- (घ) दूसरों को दुख पहुँचाना

(iv) काँटे बोने वाले के लिए फूल क्यों बोना चाहिए?

- (क) उससे बदला लेने के लिए
- (ख) परोपकार के लिए
- (ग) उसको चिढ़ाने के लिए
- (घ) अपना प्रभाव दिखाने के लिए



(v) गद्यांश में आए 'उपकार' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है

(क) विकार

(ख) प्रकार

(ग) अपकार

(घ) प्रतिकार

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

मानवीय गुणों को धारण करके ही मानव, मनुष्य कहलाने का अधिकारी होता है। मनुष्य-मात्र को बंधु मानकर उसके सुख-दुख का समभागी बनने वाला ही मनुष्य कहला सकता है। मानव शरीर के भीतर यदि दानवी अथवा पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं तो मनुष्य होकर भी वह दानव या पशु-तुल्य समझा जाएगा। अपने ही जीवन को सुखी समृद्ध बनाने की चेष्टा में लगा हुआ व्यक्ति सद्गुण-संपन्न होने पर भी लोकप्रियता अर्जित नहीं कर सकता। उसे पूर्ण मानव भी नहीं कहा जा सकता। सच्चा मनुष्य तो वह सद्गुणी व्यक्ति है जो स्वजनों के साथ-साथ समस्त मनुष्य जाति के कल्याणार्थ प्रयत्न करता है। अपनी अपेक्षा वह औरों की चिंता अधिक करता है। दूसरों की भलाई के लिए वह सहर्ष आत्मबलिदान कर देता है। ऐसा व्यक्ति उस नदी की तरह है जिसके जल का पान कर असंख्य प्राणियों के जीवन की रक्षा होती है। सच्चा मानव दूसरों की विपत्ति में उनकी यथाशक्ति सहायता करता है, भले ही इस कार्य में उसे स्वयं कष्ट झेलने पड़ें तथा क्षति उठानी पड़े।

(i) किस मनुष्य को मनुष्य नहीं माना जा सकता?

(क) जो दूसरों को दुख देता रहता है।

(ख) जो दुराचारी होता है।

(ग) जो तन-मन से कमजोर होता है।

(घ) जो मानवीय गुणों से रहित होता है।

(ii) पशु-तुल्य किसे समझा जाता है?

(क) जो जंगलों में पशुओं के साथ रहता है।

(ख) जिसमें पाशविक वृत्तियाँ पलती हैं।

(ग) जो पशुओं-जैसा भोजन करता है।

(घ) जो दूसरों की हिंसा करता है।

(iii) अपनी अपेक्षा दूसरों की चिंता करने वाला

- (क) लोकप्रिय हो जाता है।
- (ख) सदा परेशान रहता है।
- (ग) अपने परिवार में अप्रिय हो जाता है।
- (घ) अपने काम समय पर नहीं कर पाता।

(iv) मीठे फलों का वृक्ष

- (क) अपना फल स्वयं खाता है।
- (ख) अपना फल दूसरों को देता है।
- (ग) अपना फल किसी को नहीं देता है।
- (घ) अपने फलों से अपना पालन करता है।

(v) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है

- (क) सच्चा मानव
- (ख) मानवीय गुण वाला
- (ग) लोकप्रियता
- (घ) औरों की चिंता

3. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

जो रुकावट डालकर होवे कोई पर्वत खड़ा,  
तो उसे देते हैं अपनी युक्तियों से वे उड़ा।  
बीच में पड़कर जलधि जो काम देवे गड़बड़ा  
तो बना देंगे उसे वे क्षुद्र पानी का घड़ा।  
वन खँगालेंगे, करेंगे व्योम में बाज़ीगरी  
कुछ अजब धुन काम के करने की है उनमें भरी।  
सब तरह से आज जितने देश हैं फूले-फले  
बुद्धि, विद्या, धन, विभव के हैं जहाँ डेरे डले।

वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले  
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले  
लोग जब ऐसे समय पाकर जनम लेंगे कभी  
देश की औ' जाति की होगी भलाई भी तभी।

(i) कवि ने इस कविता में कैसे व्यक्तियों की ओर संकेत किया है?

- (क) जो पर्वत की तरह रुकावट बनते हैं।
- (ख) जो पानी के घड़े की भाँति क्षुद्र हैं।
- (ग) जो बाज़ीगरी के करतब दिखा सकते हैं।
- (घ) जो हमेशा अपने लक्ष्य और काम की धुन में रहते हैं।

(ii) पर्वत जैसी रुकावटों को भी वे कैसे दूर करते हैं?

- (क) अस्त्र-शस्त्रों से
- (ख) लोगों की सहायता लेकर
- (ग) अपनी बुद्धि से
- (घ) सुलभ उपायों से

(iii) काम करने की धुन वाले लोगों से देशों पर क्या असर हुआ है?

- (क) देश सैनिक-शक्ति से समृद्ध हुए
- (ख) वैज्ञानिक क्षेत्र में समृद्ध हुए
- (ग) आत्मबल से समृद्ध हुए
- (घ) धन, ज्ञान, विवेक से समृद्ध हुए

(iv) इस काव्यांश का शीर्षक हो सकता है

- (क) साहसी सपूत
- (ख) विद्वान् देशवासी
- (ग) वैभवशाली देश
- (घ) भले लोग

(v) कवि के अनुसार देश और जाति की भलाई तब होगी जब जन्म लेंगे

(क) उत्साही और कर्मठ

(ख) वीर और देशप्रेमी

(ग) विद्वान् और विवेकी

(घ) परोपकारी और सहनशील

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

हँसता हुआ रहेगा आँगन, दीवारें ढह जाएँगी।

यह न रहेगा, वह न रहेगा, यादें ही रह जाएँगी।

कोई खल राजा था,

उपवन में आ तीर चलाता था

पंखों को सिद्धार्थ,

आँसुओं से अपने सहलाता था

बार-बार यह कथा हवाएँ चिड़ियों से कह जाएँगी!

गिर जाएँगे महल दुमहले

जो तनकर हैं खड़े हुए

पूछेगा कल 'कहाँ गए वे

जो यों ही थे बड़े हुए'

नत नयनों के छंद गुनगुनाती नदियाँ बह जाएँगी।

घन-गर्जन, बिजली का तर्जन

सन्नाटा पी जाएगा

झंझा भी जाएगी

पागल दावानल भी जाएगा

दर्द-भरी छोटी घड़ियाँ, कितनी सदियाँ सह जाएँगी।

- (i) परिवर्तन के बाद क्या शेष रह जाएगा ?

(क) महल

- (ख) आँगन
  - (ग) दीवारें
  - (घ) यादें
- (ii) हवाएँ चिड़ियों को किसकी कथा सुनाएँगी?
- (क) उपवन की
  - (ख) शिकरी की
  - (ग) आँसुओं की
  - (घ) सिद्धार्थ की
- (iii) 'जो तनकर हैं ,खड़े हुए' - का भाव है
- (क) अहंकार में चूर
  - (ख) लंबे और ऊँचे
  - (ग) मज़बूती में दृढ़
  - (घ) शक्तिशाली
- (iv) 'सन्नाटा पी जाएगा' - का आशय है
- (क) शोर होने लगेगा
  - (ख) शांत हो जाएगा
  - (ग) कुहराम मच जाएगा
  - (घ) बिजली कड़कने लगेगी
- (v) सदियों तक कौन-सी घड़ियाँ रहेंगी?
- (क) दुख की
  - (ख) सुख की
  - (ग) क्रांति की
  - (घ) करुणा की

खंड ख

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) ‘सिंह जैसे वीर’ तुम इन तुच्छ लोगों से भयभीत हो?’ वाक्य में रेखांकित पदबंध है

- (क) सर्वनाम
- (ख) विशेषण
- (ग) संज्ञा
- (घ) क्रिया

(ii) ‘विद्यालय की तरफ मंदिर है’ - वाक्य में अव्यय पदबंध है

- (क) विद्यालय की
- (ख) मंदिर है
- (ग) की तरफ
- (घ) विद्यालय की तरफ

(iii) ‘ मैं यहाँ दसवीं कक्षा में पढ़ता था’ - वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है

- (क) संज्ञा, समूहवाचक, पुल्लिङ्ग, एकवचन
- (ख) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिङ्ग, बहुवचन
- (ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन
- (घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिङ्ग, एकवचन

(iv) हम देश के लिए त्याग कर सकते हैं - में रेखांकित का पद-परिचय है

- (क) सर्वनाम, रीतिवाचक, प्रथम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिङ्ग
- (ख) सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, बहुवचन, पुल्लिङ्ग
- (ग) सर्वनाम, पुरुषवाचक, प्रथम पुरुष, एकवचन, पुल्लिङ्ग
- (घ) सर्वनाम, निश्चयवाचक, बहुवचन, पुल्लिङ्ग

6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) ‘वह मेरा घनिष्ठ मित्र है इसलिए संकट में साथ देता है’ - रचना की दृष्टि से वाक्य है

- (क) सरल

(ख) संयुक्त

(ग) मिश्र

(घ) साधारण

(iii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य छाँटकर लिखिए :

(क) मेरा घर पास में ही है।

(ख) मैं जानता हूँ कि वे मुझसे स्नेह रखते हैं।

(ग) मैं जहाँ रहता हूँ, तुम वहाँ आ जाना।

(घ) वे यहाँ आए और मैं चला आया।

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) मैं ऐसा मकान चाहता हूँ जिसमें तीन कमरे हों।

(ख) तुम दोनों हमेशा साथ-साथ जाते हो।

(ग) रमा पहली बार कार्यालय समय से पहुँची है।

(घ) चुपचाप बैठो और अपना काम करो।

(iv) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है :

(क) तुम यहाँ से चले जाओ।

(ख) तुम यहाँ से चले जाओ और पढ़ो।

(ग) तुम यहाँ से तब जाओ जब पढ़ने की इच्छा हो।

(घ) तुम यहाँ से जाकर पढ़ो।

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) 'महोत्सव' का संधि-विच्छेद है

(क) मह + उत्सव

(ख) महो + उत्सव

(ग) महा + उत्सव

(घ) महा + ओत्सव

- (ii) 'प्रति + उत्तर' की संधि है
- (क) प्रत्युतर
  - (ख) प्रत्युत्तर
  - (ग) पर्युत्तर
  - (घ) प्रत्युत्र
- (iii) 'विद्यारत्न' समस्त पद का विग्रह है
- (क) विद्या का रत्न
  - (ख) विद्या में रत्न
  - (ग) विद्या ही है रत्न
  - (घ) विद्या रत्नों का समाहार
- (iv) 'रोग से ग्रस्त' का समस्त पद है
- (क) रोगग्रस्त
  - (ख) रोगस्त
  - (ग) रोग्रस्त
  - (घ) रोगग्रास्त

8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

- (i) दूसरों पर ----- के बदले अपना काम जल्दी पूरा करो। वाक्य में उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
- (क) उँगली उठाना
  - (ख) सिर चढ़ाना
  - (ग) बाल की खाल निकालना
  - (घ) गले लगना
- (ii) 'पत्थर की लकीर' का अर्थ है
- (क) बेकार घूमना
  - (ख) रहस्य की बात जानना



(ग) निरादर करना

(घ) दृढ़ विचार

(iii) 'वह मेरा धन नहीं दे रहा है, लगता है ----- ।'

उपयुक्त लोकोक्ति से वाक्य-पूर्ति कीजिए ।

(क) अधजल गगरी छलकत जाय

(ख) टेढ़ी अँगुली से घी निकलता है

(ग) दोनों हाथ लड्डू

(घ) नाच न जाने आँगन टेढ़ा

(iv) 'साँप मरे और लाठी न टूटे' का भाव है

(क) जिसे ग़रज़ है उसकी चिंता क्या

(ख) नुकसान होने पर भी घमंड नहीं नष्ट होता

(ग) काम बन जाए; नुकसान भी न हो

(घ) बुरे का साथ बुरा फल देता है

9. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1×4 = 4

(i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

(क) फल बच्चे को काटकर खिलाओ ।

(ख) तुम तुम्हारी बहन से कहो ।

(ग) फल काटकर बच्चे को खिलाओ ।

(घ) मैं यहाँ सकुशलतापूर्वक हूँ ।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है :

(क) प्रधानाचार्य ने घोषणा की ।

(ख) उत्तम चरित्र-निर्माण हमारा लक्ष्य होना चाहिए ।

(ग) प्रधानाचार्य अध्यापक को बुलाए ।

(घ) क्या आपने विश्राम कर लिया है ?

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है :

- (क) क्या आप यह पुस्तक पढ़ लिए हैं?
- (ख) क्या आपने यह पुस्तक पढ़ ली है?
- (ग) तुम मेरे मित्र हो मैं आपको भली-भाँति जानता हूँ।
- (घ) मेरे को किसी की परवाह नहीं।

(iv) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य छँटकर लिखिए :

- (क) प्रस्तुत पंक्तियाँ काव्य की पुस्तक से ली हैं।
- (ख) आपको क्या होना?
- (ग) कृपया, आप यहाँ बैठिए।
- (घ) मेरी माताजी मेरे को बहुत प्यार करती हैं।

#### खंड ग

10. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1×5 = 5

‘मनुष्य-मात्र बंधु है’ यही बड़ा विवेक है,  
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।  
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,  
परंतु अंतर्दैव्य में प्रमाणभूत वेद हैं।  
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे  
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

(i) सबसे बड़ा विवेक क्या हैं?

- (क) शास्त्रों का ज्ञान होना
- (ख) संसार के रहस्य का ज्ञान होना
- (ग) मनुष्य-मात्र को भाई समझना
- (घ) ईश्वर का अस्तित्व मानना

- (ii) स्वयंभू पिता का तात्पर्य है?
- (क) परमपिता परमेश्वर
  - (ख) पालन-पोषण करने वाला
  - (ग) परिवार का मुखिया
  - (घ) स्वयं को पिता मानने वाला
- (iii) मनुष्य-मनुष्य में बाहरी अंतर क्यों दिखाई देता है?
- (क) रूप-रंग में अंतर के कारण
  - (ख) विचारों के अलग होने के कारण
  - (ग) विभिन्न जाति में जन्म लेने के कारण
  - (घ) कर्म के अनुसार फल भोगने के कारण
- (iv) सबसे बड़ा अनर्थ है
- (क) भाई ही भाई को सम्मान न दे
  - (ख) भाई ही भाई का कष्ट दूर करे
  - (ग) भाई ही भाई का दुख दूर न करे
  - (घ) भाई ही भाई को अपना सहायक माने
- (v) 'बंधु' शब्द का पर्यायवाची है
- (क) सहायक
  - (ख) भ्राता
  - (ग) भाईचारा
  - (घ) मित्र

**अथवा**

यह कुर्बानियों की न वीरान हो  
 तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले  
 फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है  
 जिंदगी मौत से मिल रही है गले

बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो ।

अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो ।

- (i) कुर्बानियों की राह कौन-सी है?
- (क) देश की भलाई की राह
  - (ख) बलिदानी देशभक्तों की राह
  - (ग) देश की प्रगति की राह
  - (घ) राष्ट्रनायकों की राह
- (ii) 'नए काफ़िले' से कवि का क्या तात्पर्य है ?
- (क) तीर्थयात्रियों की टोली
  - (ख) युद्ध के लिए तैयार सैनिकों की टोली
  - (ग) नए बलिदानी देशभक्तों की टोली
  - (घ) युद्ध का प्रशिक्षण पाए नए सैनिकों की टोली
- (iii) कविता की किस पंक्ति में जीवन और मृत्यु का मिलन कहा गया है?
- (क) बाँध लो अपने सर से कफ़न, साथियो
  - (ख) तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
  - (ग) फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
  - (घ) जिंदगी मौत से मिल रही है गले
- (iv) 'सर पर कफ़न बाँधने' का अर्थ है
- (क) बलिदान के लिए उद्यत रहना
  - (ख) युद्ध के लिए प्रस्तुत रहना
  - (ग) सीमा पर चौकस रहना
  - (घ) देश से प्रेम करना
- (v) जीत का जश्न किस जश्न के बाद होगा?
- (क) युद्ध के

- (ख) बलिदान के
- (ग) आज़ादी के
- (घ) किसी त्योहार के

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए :

$$2\frac{1}{2} + 2\frac{1}{2} = 5$$

- (क) ओचुमेलाव कौन था ? कुत्ते के बारे में ओचुमेलाव के विचारों में परिवर्तन क्यों आ गया ? 'गिरगिट' पाठ के आधार पर उल्लेख कीजिए।
- (ख) 'झेन की देन' के आधार पर लिखिए कि लेखक ने जापानियों के दिमाग में स्पीड का इंजन लगे होने की बात क्यों कही है।
- (ग) सवार कौन था? उसने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए।
- (घ) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए कि समुद्र को क्रोध आने का क्या कारण था। उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?

12. "जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।" 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर सोदाहरण आशय स्पष्ट कीजिए।

5

### अथवा

'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किन विसंगतियों पर व्यंग्य किया गया है? पाठ के आधार पर लिखिए।

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बढ़ती हुई आबादी ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलाते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, ज़लज़लें, सैलाब, तूफ़ान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।

- (क) बढ़ती हुई आबादी का प्रकृति पर क्या प्रभाव पड़ा है? 2
- (ख) बारूदी विनाशलीला ने वातावरण को कैसे प्रभावित किया है? 2
- (ग) नए रोगों का जन्म क्यों होने लगा है? 1

### अथवा

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होते हैं। चंद लोग उनमें व्यावहारिकता का थोड़ा-सा ताँबा मिला देते हैं और चलाकर दिखाते हैं। तब हम लोग उन्हें 'प्रेक्टिकल आइडियलिस्ट' कहकर उनका बखान करते हैं।

पर बात न भूलें कि बखान आदर्शों का नहीं होता बल्कि व्यावहारिकता का होता है। और जब व्यावहारिकता का बखान होने लगता है तब 'प्रेक्टिकल आइडियलिस्टों' के जीवन से आदर्श धीरे-धीरे पीछे हटने लगते हैं।

- (क) शुद्ध आदर्श की तुलना शुद्ध सोने से क्यों की गई है? 2
- (ख) लेखक ने व्यावहारिकता की तुलना किस सोने से की है? उसकी क्या विशेषता है? 2
- (ग) ताँबा कब प्रमुख हो जाता है? 1
- 14 (क) 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' कविता में कवयित्री दीपक को स्वयं को समर्पित करने के लिए क्यों कहती है? 2
- (ख) 'आत्मत्राण' कविता में कवि क्या प्रार्थना करता है? उसे अपने शब्दों में लिखिए। 2
- (ग) 'मनुष्यता' कविता में व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करने की सलाह दी गई है? 1
15. खुशी से जाने की जगह न होने पर भी, लेखक को कब और क्यों स्कूल जाना अच्छा लगने लगा? 3

### अथवा

इफ़्फ़न को 'टोपी शुक्ला' कहानी का महत्वपूर्ण पात्र कैसे माना जा सकता है?

16. 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मारने-पीटने वाले अध्यापकों के प्रति बच्चों की क्या धारणा बन जाती है। 2
17. दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5
- (क) भ्रष्टाचार और जनता
- भ्रष्टाचार - अर्थ और कारण
  - जनता पर प्रभाव
  - भ्रष्टाचार से मुक्ति के उपाय

(ख) भारत में बाढ़ की समस्या

- बाढ़ के कारण
- बाढ़ का जनजीवन पर प्रभाव
- बाढ़ से बचने के उपाय

(ग) विद्यालय में विज्ञान-प्रदर्शनी

- विज्ञान-प्रदर्शनी क्या
- प्रदर्शनी की उपयोगिता
- नए वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ

18. हिंदी-दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित समारोह में आपने जो वक्तव्य दिया, उसके बारे में मित्र को पत्र लिखिए।

5

### **अथवा**

आपके पिताजी ने आपको एक हजार रुपये का मनीआर्डर भेजा है जो अभी तक आपको नहीं मिला है। डाक अधीक्षक को पत्र लिखकर इसकी शिकायत कीजिए।

5